

[Shri Cumbum N. Natarajan]

Our traditional markets are being dumped by Guatamala cardamom which has decreased the price of our cardamom from Rs. 203 in 1978-79 to Rs. 186 in 1979-80.

So, I request the hon. Finance Minister that exempting cardamom plantations from the purview of wealth tax will very much lessen the burden of the planter and enable him to compete in international market.

(vi) NEED FOR IMMEDIATE PEST CONTROL MEASURES IN ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

SHRI MANORANJAN BHAKTA (Andaman and Nicobar Islands): I have received information from my constituency, Andaman and Nicobar Islands, that heavy pest attacks throughout north, middle and south Andamans have caused heavy damage and practically destroyed the paddy crop in that part of the country. It is unfortunate that, in spite of repeated representations and meetings with the Andaman Administration officials by the local public representatives it could not yield any fruitful result. The Administration has not come out with the necessary pest control measures to save the crop from the pest attack and damage. It is needful to mention that, during the last two years, due to drought conditions which prevailed in the territory, the cultivators could not get any crop and this year fortunately the rainfall was timely and the crop condition was good. But due to the severe pest attack, all hopes of the cultivators have gone.

I would, therefore, like to request the Agriculture Minister and also the Home Minister to issue necessary instructions so that pest control measures are undertaken immediately and wholesale spraying is undertaken to save the poor cultivators of those parts of the island from disaster.

(vii) REPORTED POWER CRISES IN PATNA

श्री रामावतार झास्त्री (पटना): बिजली के अभाव में सम्पूर्ण बिहार पीड़ित है। विभिन्न शहरों में जहां लोगों को बिजली की रोशनी का दर्शन नहीं होता, उद्योग धंधे बन्द रहते हैं जिनका स्वाभाविक असर उत्पादन पर होता है, बिजली के अभाव में किसान माथा ठोँक कर रह जाते हैं।

परन्तु दुःख है कि बिहार बिजली बोर्ड और पटना बिजली अण्डरटैकिंग की अकर्मण्यता एवं भ्रष्टाचार के चलते पटना के सात लाख से भी अधिक नागरिकों को अत्यन्त घृष्ण अंधेरे का सामना करना पड़ता है। पटना के विभिन्न मोहल्लों के निवासियों को रात घंटों लोड शीडिंग का उत्पीड़न बर्दाश्त करना पड़ता है, कभी कभी तो सम्पूर्ण नगर में आठ आठ घंटे तक लगातार बिजली की रोशनी गायब रहती है। फलतः चोर उच्चवकों एवं डकैतों की बन आती है। अंधेरे का सहारा लेकर वे डकैती और हत्या के बाद रफू चक्कर हो जाते हैं।

पटना नगर में दर्जनों ऐसे मोहल्ले हैं जिन्हें 33 वर्षों की आजादी के बाद भी बिजली की रोशनी का दर्शन नहीं हुआ है। इस बारे में सबसे अधिक खराब स्थिति पटना सिटी क्षेत्र की है जो हर मामले में उपेक्षित रहा है। इतना ही नहीं, पटना नगर की प्रमुख सड़कों पर भी बिजली की उचित व्यवस्था नहीं रहती।

अतः आपके द्वारा मेरा सरकार से अनुरोध होगा कि वह पटना सहित सम्पूर्ण राज्य के निवासियों के लिए कम से कम बिजली की रोशनी की तो व्यवस्था करे।

(viii) REPORTED STONING AND FIRING ON POLICE BY SATYAGRAHIS AT BAGHPAT ON 5TH AUGUST 1980.

SHRI RAJESH PILOT (Bharatpur): Under Rule 377 I would like to bring the following matter to your kind notice as also to the notice of the House.

On 5th August, 1980 at Baghpat Lok Dal people while offering Satyagraha,

were armed with country-made pistols and when Police tried to stop them, they started throwing stones and bricks on police and also fired from these country-made pistols with which they were equipped, thus resulting in injuries to the Policemen on duty. With these acts of Lok Dal party workers, the area has become unsafe for common persons specially for the weaker sections of society. Responsible persons were present at the scene of incident.

I request this matter must be taken on top most priority to restore the confidence in safety in this area.

14.54 hrs.

BRAHMAPUTRA BOARD BILL-
Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now we take up further consideration of the Brahmaputra Board Bill.

Mr. R. L. P. Verma was on his legs. You have already taken 5 minutes. Now only 4 minutes are left for this.

SOME HON. MEMBERS: Sir, the time should be extended for this item.

MR. DEPUTY-SPEAKER: There are ten more members who want to speak. Should we extend the time? I want to know the views of the Minister.

THE MINISTER OF PARLIAMEN- TARY AFFAIRS (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): We have no objection.

MR. DEPUTY-SPEAKER: For how much time shall we extend it?

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: It is left to you.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I think one hour will be all right. Is it the pleasure of the House to extend the time for this item by one hour?

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes, Sir.

MR. DEPUTY-SPEAKER: So, the House agrees. The time is extended by one hour.

Now, Mr. R. L. P. Verma.

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा): उपाध्यक्ष महोदय, कल हमारे सत्ताखण्ड दल के कुछ माननीय सदस्य—श्री सत्यनारायण राव जी और श्री गिरधारी लाल व्यास जी कह रहे थे कि 33 वर्षों में कुछ नहीं हुआ, खास कर जनता सरकार के समय में ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने कोई काम नहीं किया। ऐसी बात नहीं है, क्योंकि ब्रह्मपुत्र बोर्ड का यह बिल 1979 के मार्च महीने में पेश हुआ था। जनता पार्टी की सरकार के भूतपूर्व कृषि तथा सिंचाई मंत्री श्री सुरजीत सिंह बरनाला ने इसको पेश किया था और इसे मंजूर कराने की चेष्टा भी की थी, लेकिन तब तक सरकार नहीं बची। इस लिये यह कोई नई बात नहीं है।

1970 से ही इस पर कार्य किया जा रहा है। 1974-75 से आसाम सरकार के अधीन ब्रह्मपुत्र फ्लड कंट्रोल कमीशन चल रहा था। उस के बाद 1977-78 में इस पर 7 करोड़ 75 लाख रुपये व्यय हुए। 1978-79 में 10 करोड़ रुपये व्यय हुए और अब हमारे मंत्री जी आगे बढ़ कर इस पर 13 करोड़ रुपये व्यय करने के लिये तैयार हैं। आगे भी जब मास्टर प्लान बनेगा तो इस पर और ज्यादा खर्च किया जायगा। बहूत से लोगों की धारणा यह है कि इस पर 500 करोड़ से 1 हजार करोड़ रुपये तक लगेंगे। वस्तुतः यह कोई छंटी-मोटी योजना नहीं है, यह पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की सब से बड़ी नदी है और यह कहा जाय तो गलत नहीं होगा कि सारे देश में यह सब से बड़ी नदी है। 1950 में जो अथ.कवक आया था, उस के द्वारा बहूत से टोपोग्राफिकल-चेन्जेज हुए हैं, जिस के कारण नदी की धारा बहूत तेज हो गई और जमीन ऊबड़-खाबड़ हो गई है जिस से हर वर्ष बाढ़ की चपेट से बहूत बड़ा क्षेत्र प्रभावित होता है और 16-17 लाख लोग प्रभावित हो जाते हैं। इस लिये इस के समाधान के लिये एक बहूत बड़ी योजना की